बी. ए. प्रथम वर्ष 2008–09
सैद्धान्तिक प्रथम प्रष्न पत्र प्रथम सेमेस्टर गायन

पूर्णांक – 35

अ0मू – 15

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी।

यमन, भूपाली,, खमाज, भैरव, त्रिताल, दादरा, एकताल (दुगुन एवं चौगुन के साथ लिखने का अभ्यास)

इकाई–2

1. – भतखण्डे नोटेषन पद्धति का ज्ञान । (स्वरलिपि)

2. – पाठ्यक्रम के रागों में निम्न बंदिषों की स्वरलिपि लिखने का अभ्यास।

(अ) – द्रुत ख्याल, सरगम ।

इकाई–3

परिभाषाएं – श्रुति, स्वर, सप्तक, अलंकार, थाट, मींड, घसीट, कृन्तन, जमजमा ।

इकाई–4

निम्न गीत ष्शैलियों का ज्ञान–

सरगम, लक्ष्मणगीत, ख्याल, मसीतखनी, गत।

इकाई–5

निम्न संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान–

तानसेन, पं. भातखंडे,

(परियोजना)

1. निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।

   Assignment and its presentation.

2. पोस्टर, चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।

   Preperation of pester/chart/Model

बी. ए. प्रथम वर्ष 2008–09
प्रायोगिक द्वितीय प्रश्नपत्र प्रथम सेमेस्टर गायन

पूर्णांक – 80

अ0मू – 20

इकाई प्रथम

1. प्रारंभिक दस अलंकार

इकाई द्वितीय

2. निम्न रागों का अध्ययन – यमन,, भूपाली, खमाज, भैरव ।
   उक्त रागों में आरोह, अवरोह पकड सरगम, लक्षमगीत, द्रुत ख्याल एवं एक विलम्बित ख्याल, आलाप तोडो सहित /दो तरानें ।

इकाई तृतीय

3. पाठयक्रम के तालों का अध्ययन हाथ पर ताल, दादरा, एकताल, त्रिताल ।

इकाई चतुर्थ

4. एक गायन हेतु एक गीत अथवा एक भजन के गायन का अभ्यास ।

इकाई पंचम

5. प्रायोगिक रिकार्ड

बी0ए0प्रथम वर्ष 2008–09

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्नपत्र, द्वितीय सेमेस्टर गायन

इकाई – 1

पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी।

अल्हैया बिलावल, काफी, आसावरी,, भैरवी कहरवा, झपताल, चौताल (दुगुन एवं चौगन के साथ लिखने का अभ्यास)

इकाई–2

अ. – पं0 पलुस्कर स्वरलिपि पद्धति का ज्ञान।

ब. – पाठ्यक्रम के रागों में निम्न बंदिषों को लिखने का अभ्यास।

गायन हेतु :– द्रुत ख्याल तानों सहित ।

इकाई–3

परिभाषाएं – नाद एवं उसकी विशेषताएं, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, गमक खटका, मुर्की।

इकाई–4

निम्न गीत ष्शैलियों का ज्ञान–

ध्रुवपद, धमार, चतुरंग,, रज़ाखानी गत।

इकाई–5

निम्न संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान–

स्वामी हरीदास, पं0 पलुस्कर।

(परियोजना)

1.	निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।	07
2.	पोस्टर, चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।	08
	कुल अंक	15

बी. ए. प्रथम वर्ष 2008–09
सैद्धान्तिक प्रथम प्रष्नपत्र, द्वितीय सेमेस्टर गायन

पूर्णांक – 35

अ0मू – 15

इकाई – 1

10 थाटों में से किन्ही पांच थाटों में अलंकार गायन का अभ्यास ।

इकाई–2

निम्न रागों का अध्ययन ।

अल्हैया बिलावल, काफी आसावरी, भैरवी

उक्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड, सरगम लक्षणगीत, द्रुतख्याल एवं एक विलम्बित ख्याल, आलाप तान तोडों सहित । दो तराने ।

इकाई–3

पाठयक्रम के तालों का अध्ययन , हाथ पर लगाने का अभ्यास :–

कहरवा, झपताल, चौताल ।

इकाई–4

गायन हेतु :– एक ध्रुवपद दुगुन के साथ

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड अंक – 20

बी. ए. द्वितीय वर्ष 2009–10
सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र तृतीय सेमेस्टर गायन वादन

पूर्णांक – 35

आ.मू. 15

इकाई – 1

1. पाठयक्रम में निर्धारित रागों, एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी

विहाग, हमीर, देस, बागेश्री,, जौनपुरी ,रूपक, तिलवाडा, सूलताल (दुगुन एवं चौगुन सहित)

इकाई–2

(अ) पारिभाषिक शब्दों की जानकारी

कुतप, वृन्दगायन, गायक–नायक वाग्येकार, गांधर्व, गायक, नायक

(ब) पाठयक्रम के रागों में द्रुत रचनाओं में स्वरलिपि लेखन तान तोडों के साथ ।

इकाई–3

ध्वनि – सांगितिक एवं असंगितिक ध्वनि, कंपन, कंपनांक एवं ध्वनि से सम्बन्धित सामान्य शब्दावली का ज्ञान (जैसे :– आंदोलन, डोल अथवा थरथराहट, प्रतिध्वनि)

इकाई–4

निम्नलिखित गीत प्रकारों का अध्ययन– टप्पा, ढुमरी, गीत, गजल, भजन।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान :–

अमीर खुसरो, पं0 शारंग देव ।

(परियोजना)

1.	निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।	07
2.	पोस्टर, चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।	08
	कुल अंक	15

बी. ए. द्वितीय वर्ष 2009–10
प्रायोगिक द्वितीय प्रश्नपत्र तृतीय सेमेस्टर
गायन

पूर्णांक – 80

आ.मू. 20

इकाई–1

पाठयक्रम के निम्न रागों में से किन्ही एक में विलम्बित ख्याल तथा सभी रागों में आरोह अवरोह पकड, सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचना । आलाप तान तोडों सहित

विहाग, केदार, देस बागेश्री,, जौनपुरी निम्न तालो के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास :–

रूपक, तिलवाडा, सुलताल ।

इकाई –2

उपरोक्त रागों में से किन्ही दो में तराना,एक ध्रुवपद, दुगुन सहित।

इकाई–3

गायन हेतु :– एक गजल अथवा राष्ट्र भक्ति गीत

इकाई–4

प्रायोगिक रिकार्ड 20 अंक

बी. ए. द्वितीय वर्ष 2009–10
सैद्धान्तिक प्रथम प्रष्न पत्र चतुर्थ सेमेस्टर गायन

पूर्णांक – 35

आ. मू. 15

इकाई – 1

पाठयक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी :–

देशकार, हमीर, जयजयवंती, भीमपलासी, मालकौस, तीव्रा, धमार, झूमरा (दुगुने एवं चौगुन सहित)

इकाई–2

(अ) गायक एवं वादक के गुण अवगुण

(ब) पाठयक्रम के रागों में विलम्बित रचनाओं की स्वरलिपि लेखन (आलाप सहित)

इकाई–3

सप्तक – परिभाषा एवं प्रकार

मेजर टोन, माइनर टोन एवं सेमीटोन

इकाई–4

लोक संगीत की जानकारी एवं निम्न लोक गीत प्रकारों का वर्णन कजरी, चैती, मांड गरबा लावणी होरी ।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं सांगितिक योगदान ।

पं0 अहोबल, पं0 लोचन

(परियोजना)

1.	निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।	07
2.	पोस्टर, चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।	08
	कुल अंक	15

बी. ए. द्वितीय वर्ष 2009–10
प्रायोगिक द्वितीय प्रष्न पत्र चतुर्थ सेमेस्टर गायन

पूर्णांक – 80

आ. मू. 20

इकाई – 1

पाठयक्रम में निम्न रागों में से किन्ही एक में विलम्बित तथा सभी रागों में आरोह अवरोह पकड सरगम लक्षणगीत द्रुत ख्याल आलाप तान, तोडो सहित ।

देशकार, हमीर, जयजयवंती, भीमपलासी, मालकौस,

निम्न तालों के ठेके दुगुन सहित हाथ पर प्रदर्शित करना ।

तीव्रा, धमार, झूमरा

इकाई–2

उपरोक्त रागों में कोई दो तराने एवं एक धमार दुगुन सहित ।

इकाई–3

गायन हेतु :– एक लोकगीत ।

इकाई–4

प्रायोगिक रिकार्ड अंक : 20

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11

प्रथम प्रष्न पत्र सैद्धान्तिक पंचम सेमेस्टर
गायन

पूर्णांक – 35

आं.मू. 15

इकाई – 1

1. पाठयक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी
   शुद्धकल्याण, छायानट, रामकली, बहार, दरबारी कान्हडा, पूरिया,
   आडाचौताल, दीपचन्दी, पंजाबी ।

2. पाठ्यक्रम के रागों की बंदिषों का स्वरलिपि लेखन ।

इकाई–2

अहोबल एवं श्रीनिवास द्वारा वीणा के तार पर निर्धारित शुद्ध एवं विकृत स्वर स्थान।

इकाई–3

1. ग्राम परिभाषा एवं प्रकार राग वर्गीकरण के अन्तर्गत राग रागिनी वर्गीकरण, ।

इकाई–4

निबद्ध एवं अनिबद्ध गान, आलप्ति रागालाप की रूपकालाप की परिभाषायें ।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी परिचय एवं संगीत में योगदान –
पं0 कुमार गंधर्व, उ. आल्लाउद्दीन खॉ,

परियोजना

1. सास्कृति क्रायकमों का समीक्षात्मक प्रतिवेदन लेखन – 08
   Report writing
2. आकस्मिक कक्षा– परीक्षण semi sarprise class test - 07

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11

प्रायोगिक द्वितीय प्रष्न पत्र पंचम सेमेस्टर
गायन

पूर्णांक – 80

आं.मू. 20

इकाई – 1

पाठयक्रम के निम्न रागों में से किन्ही दो रागों में विलम्बित ख्याल (आलाप तान तोडों सहित) तथा सभी रागों में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचनाएं ।
शुद्धकल्याण, छायानट, रामकली, बहार, दरबारी कान्हडा, पूरिया,

इकाई–2

निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास ।
आडाचौताल, दीपचन्दी, पंजाबी ।

इकाई–3

उपर्युक्त रागों में से किन्ही दो में तराना, एक ध्रुवपद दुगुन, चौगुन के साथ

इकाई–4

गायन हेतु :– दादरा (कोई एक)

इकाई–5 प्रायोगिक रिकार्ड कुल अंक 20

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11
प्रायोगिक द्वितीय प्रष्न पत्र पंचम सेमेस्टर
गायन

पूर्णांक – 35

आं.मू. 15

इकाई – 1

1. पाठयक्रम में निर्धारित रागों एवं तालों की विवेचनात्मक जानकारी :–
   मियोमल्हार, दुर्गा, अडावा, मियां की तोडी,, तिलंग, पूरियां धनाश्री ।
   सवारी, गजझम्पा, शिखर ।
2. पाठयक्रम के रागों की बंदिशों एवं गतो का स्वरलिपि लेखन ।

इकाई–2

पं0 भरत की श्रुति स्वर व्यवस्था एवं सारगा प्रक्रिया ।

इकाई–3

मूर्च्छना – परिभाषा एवं प्रकार राग वर्गीकरण के अन्तर्गत मेल राग एवं थाट राग वर्गीकरण ।

इकाई–4

राग–परिभाषा, राग जाति एवं प्रकार ।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान
उ. आल्लाउद्दीन खॉ, पं0 रविशंकर ।

(परियोजना)

1.	सांस्कृतिक क्रायकमों का समीक्षात्मक प्रतिवेदन लेखन –	08
2.	आकस्मिक कक्षा– परीक्षण	07
	कुल अंक –	15

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11

प्रायोगिक द्वितीय प्रष्न पत्र षष्ठम सेमेस्टर
गायन

पूर्णांक – 80

आं.मू. 20

इकाई – 1

पाठयक्रम में निर्धारित निम्न रागों में से किन्ही दो में विलम्बित ख्याल (आलाप तान तोडों सहित) तथा सभी रागों में सरगम, लक्षणगीत, द्रुत रचनाएं । आलाप तान तोडों ।

मियोमल्हार, दुर्गा, अडावा, मियां की तोडी,, तिलंग, पूरियां धनाश्री ।

इकाई–2

निम्न तालों के ठेके एवं दुगुन हाथ पर लगाने का अभ्यास :–
सवारी, गजझम्पा, शिखर ।

इकाई–3

उपर्युक्त रागों में से किन्ही दो रागों में तराना एवं एक धमार दुगुन चौगुन सहित ।

इकाई–4

गायन हेतु :– चतुरंग अथवा ठुमरी (कोई एक)

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड 20 अंक

बी. ए. प्रथम वर्ष 2008–09

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रष्न पत्र (सैद्धान्तिक)
कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 35

इकाई – 1

पारिभाषिक ष्शब्दों का अध्ययन।

ततकार, हस्तक, ठाठ, प्रणामी, तोड़ा, आमद, कवित्त, ताल, सम, खाली, विभाग, ठेका, मात्रा, गत निकास, ठाः, दुगुन, चौगुन ।

इकाई–2

निम्न विषयों का अध्ययन–

1. ताण्डव नृन्त
2. लास्य नृत्य
3. ग्रीवा भेद
4.

इकाई–3

अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तों का अध्ययन ।

(अ) असंयुक्त हस्त क्रमानुसार 16 हस्तमुद्रायें (1 से 16 तक) चित्रांकन सहित ।

इकाई–4

1. कथक नृत्य की उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास।
2. भरत नाट्यम् शास्त्रीय नृत्य ष्शैली का अध्ययन।

इकाई–5

1. जीवनियॉ (अ) स्व. बिन्दादीन महाराज
   (बा) स्व. कालिका प्रसाद
2. प्रायोगिक तालों को ठाह, दुगन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना।
   ताल त्रिताल, ताल कहरवा, ताल दादरा।

(परियोजना)

1.	निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।	07
2.	पोस्टर, चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।	08
	कुल अंक	15

बी. ए. प्रथम वर्ष 2008–09

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रष्न पत्र
प्रायोगिक कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 100

इकाई – 1

तीन ताल में नृत्य निम्नानुसार ––

(अ) ततकार, हस्तक संचालन, ठाठ (कसक, मसक, कटाक्ष।

प्रणामी –1, आमद–1, तोड़ा –2, परन–1, तिहाई–2, कवित्त –1

(ब) गत निकास – मुरली , घूंघट,

गत भाव – पनिहारिन ।

इकाई–2

झपताल में नृत्य––

ततकार, ठाठ, आमद 1, तोड़ा –2, तिहाई –2

इकाई–3

(अ) निम्नलिखित तालों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में पढत करना।

(ब) असंयुक्त हस्त एवं ग्रीवा भेद का प्रायोगिक प्रदर्शन ।

इकाई–4

कहरवा अथवा दादरा में एक लोक नृत्य

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड 20 अंक

बी. ए. प्रथम वर्ष 2008–09
प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रष्न पत्र (सैद्धान्तिक)
कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 35

इकाई – 1

पारिभाषिक ‘शब्दों का अध्ययन।

लय, अंग–प्रत्यंग–उपांग, तिहाई, सलामी टुकडा, परण, चक्करदार, आवर्तन, मात्रा, प्रिमलू, करनक–मसक–कटाक्ष, गतभाव ।

इकाई–2

निम्न विषयों का अध्ययन–

(अ) अभिनय दर्पण के अनुसार शिरोभेद ।

(ब) नृत्य एवं नृत्य का अध्ययन ।

इकाई–3

अभिनय दर्पण में वर्णित असंयुक्त हस्तों का अध्ययन ।

(अ) असंयुक्त हस्त क्रमानुसार (16 से 32 तक) चित्रांकन सहित ।

इकाई–4

(अ) कथक नृत्य के धराने एवं उनकी विशेषतायें ।

(ब) मणीपुरी एवं कथकलि शास्त्रीय नृत्य ‘शैली का संक्षिप्त परिचय ।

इकाई–5

1. जीवनियॉ (अ) स्व0 जयलाल महाराज
   (ब)स्व. बिन्दादीन महाराज
2. प्रायोगिक तालों को ठाह, दुगन एवं चौगुन में लिपिबद्ध करना।
   ताल झपताल, ताल त्रिताल, ताल दादरा।

(परियोजना)

1. निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण । 07

2. पोस्टर, चार्ट अथवा माडल का निर्माण । 08

बी. ए. प्रथम वर्ष 2008–09
द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रष्न पत्र
प्रायोगिक कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 100

इकाई – 1

(अ) तीन ताल में नृत्य निम्नानुसार ––

ठाठ, ततकार, (ठाः, दुगुन, चौगुन, में)

आमद–1, सलामी–1, तोड़ा –2, चक्करदार परन–1, कवित्त –1, तिहाई–2

(ब) गत निकास – मोर मुकुट, मटकी ।

गत भाव – होली ।

इकाई–2

(अ) झपताल में नृत्य निम्नानुसार –

ठाठ, ततकार, (ठाः, दुगुन, चौगुन, में)

आमद–1, तोड़ा –2, परन–1, चक्करदार–1, कवित्त –1,

इकाई–3

(अ) निम्नलिखित तालों को ठाः, दुगुन एवं चौगुन लय में पढत करना।

ताल झपताल

ताल दादरा

(ब) असंयुक्त हस्त एवं शिरो भेद का प्रायोगिक प्रदर्शन ।

इकाई–4

किसी एक प्रदेश के लोकनृत्य का प्रदर्शन ।

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड 20 अंक

बी. ए. द्वितीय वर्ष 2009–10
प्रथम सेमेस्टर प्रथम प्रष्न पत्र (सैद्धान्तिक)
कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 35

इकाई – 1

अभिनय दर्पण के अनुसार ''संयुक्त हस्त'' मुद्रा का विस्तारपूर्वक अध्ययन।

(अ) संयुक्त हस्त क्रमानुसार 12 हस्त मुद्रायें

(1 से 12 तक) चित्रांकन सहित ।

इकाई–2

1. निम्न विषयों का अध्ययन–

(अ) –नाट्य शास्त्र के अनुसार नाट्य की उत्पत्ति और महत्व ।

(ब) –कत्थक शब्द की व्युत्पत्ति का विवेचनात्मक अध्ययन ।

इकाई–3

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) घुंघरू लक्षण

(ब) दृष्टि भेद

इकाई–4

1. भातखण्डे एवं पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का अध्ययन।

2. जीवनियॉ –– स्व. अच्छन महाराज

स्व. लच्छू महाराज

इकाई–5

(अ) नायक भेद का अध्ययन।

(ब) प्रायोगिक तालों को ठाः, दुगुन, चौगुन, में लिपिबद्ध करना एवं सीखी हुई रचनाओं को लिपिबद्ध करना ।

ताल धमार, ताल तीन ताल

(परियोजना)

1.	सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समीक्षात्मक प्रतिवेदन लेखन	08
2.	सहसा कक्षा परीक्षण	07

(बी0ए0 तृतीय वर्ष में भी यही परियोजना लागू)

बी0ए0 द्वितीय वर्ष 2009–10
प्रथम सेमेस्टर द्वितीय प्रश्नपत्र
प्रायोगिक (कथक नृत्य)

पूर्णांक – 100

इकाई–1

ताल धमार में निम्न नृत्य प्रकार–

ततकार, ठाठ, आमद –1, प्रणामी –1, तोड़ा 5, परन (चतुरश्र जाति)–2, कक्ति–2 ।

इकाई–2

ताल चौताल के नृत्य –

ततकार, ठाठ, आमद –1, परन –2, चक्करदार परन–1, कवित्त –2

इकाई–3

तीनताल में नृत्य–

(अ) आमद–1, परन–2, चक्करदार तोडा–1, कवित्त –2

गतभाव – कालिया दमन ।

इकाई–4

(अ) भजन पर भाव प्रदर्शन

(ब) ततकार के प्रकारों का अभ्यास।

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड – 20 अंक

बी. ए. द्वितीय वर्ष 2009–10
द्वितीय सेमेस्टर प्रथम प्रष्न पत्र (सैद्धान्तिक)
कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 35

इकाई – 1

अभिनय दर्पण के अनुसार ''संयुक्त हस्त'' मुद्रा का विस्तारपूर्वक अध्ययन।

(अ) संयुक्त हस्त क्रमानुसार 12 हस्त मुद्रायें

(13 से 23 तक) चित्रांकन सहित ।

इकाई–2

1. निम्न विषयों का अध्ययन–

(अ) –ताल के दस प्राण ।

(ब) –कत्थक नृत्य की व्युत्पत्ति, विकास एवं वर्तमान स्थिति ।

इकाई–3

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन –

(अ) पात्र लक्षण

(ब) भृकुटि भेद

इकाई–4

1. भातखण्डे एवं पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का परस्पर अंतर ।

2. जीवनियॉ –– स्व. शम्भू महाराज

श्रीमती दमयंती जोशी

इकाई–5

(अ) नायिका भेद का विस्तार पूर्वक अध्ययन ।

(ब) प्रायोगिक तालों को ठाः, दुगुन, चौगुन, में लिपिबद्ध करना एवं सीखी हुई रचनाओं को लिपिबद्ध करना ।

ताल चौताल ताल तीन ताल

बी. ए. प्रथम वर्ष 2009–10
द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिक (कथक नृत्य)

पूर्णांक – 100

इकाई – 1

ताल धमार में निम्न नृत्य प्रकार –

ठाठ, आमद–1, सलामी–1, प्रिमलू–1, चक्करदार परन–2, कवित्त –1

इकाई–2

ताल चौताल में नृत्य

ठाठ, आमद–2, तोड़ा –2, परन–2, तिहाई–2, कक्ति–2

इकाई–3

(अ) तीन ताल में नृत्य –

आमद–1, तोडा–3, परन (तिस जाति), तिहाई–2, चक्करदार तोडा–1

(ब) गत भाव – पूजा

इकाई–4

(अ) ठुमरी पर भाव प्रदर्शनी ।

(ब) ततकार के प्रकार ।

इकाई–5

प्रायोगिक कार्य – 20 अंक

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11
प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रष्न पत्र (सैद्धान्तिक)
कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 35

इकाई – 1

नाट्यषास्त्र के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन–

(अ) रस निष्पत्ति के सिद्धान्त का अध्ययन।

(ब) रस के प्रकारों का अध्ययन ।

इकाई–2

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन–

क. देवहस्त

ख. दषावतार हस्त

इकाई–3

2. रासलीला की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन ।
3. अभिनय भेद का अध्ययन

इकाई–4

1. जीवनियॉ –

   (अ) पं0 बिरजू महाराज,

   (ब) श्रीमती सितारा देवी,
2. प्रायोगिक में सीखे गये तालों में बोल लिपिबद्ध करना।

   ताल – पंचम सवारी,, ताल तीनताल ।

इकाई–5

(अ) कथक के विकास में निम्न राजदरबारों का योगदान।

रायगढ़ महाराज चक्रधर सिंह

(ब) रायगढ़ के प्रमुख नृत्यकर्मी का जीवन परिचय।

प. कल्याणदास महंत जी ।

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11
प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र
प्रायोगिक (कथक नृत्य)

पूर्णांक – 100

इकाई–1

ताल पंचम सवारी में नृत्य ––

तत्कार, ठाठ, आमद 2, तोड़ा–3, परण (तिस्त्र चतुरश्र जाति)

कवित्त –2 चक्करदा–1

इकाइी–2

ताल तीनताल में ––

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के साथ साथ निम्न विषयों का अध्ययन –

त्रिपल्ली,, चौपल्ली ।

इकाई–3

(अ) गत निकास (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के)

(ब) गत भाव – माखनचोरी,

(स) ठुमरी अथवा भजन पर भाव ।

इकाई–4

ततकार में लयबॉट तथा प्रकारों का अभ्यास।

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड – 20 अंक

बी. ए. तृतीय वर्ष सत्र 2010–11
द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रष्न पत्र (सैद्धान्तिक)
कथक नृत्य शास्त्र

पूर्णांक – 35

इकाई – 1

नाट्यषास्त्र के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन–

(अ) भरत की रंगमंच व्यवस्था का अध्ययन।

(ब) भाव व उनके प्रकारों का अध्ययन ।

इकाई–2

अभिनय दर्पण के अनुसार निम्न विषयों का अध्ययन–

(अ) दषावतार हस्त

(ब) देवहस्त

इकाई–3

(अ) लोकनृत्य की उत्पत्ति, विकास, सामाजिक एवं धार्मिक महत्व ।

(ब) रासलीला का कथक से सम्बन्ध ।

इकाई–4

1. जीवनियॉ –

   (अ) गोपीकृष्ण

   (ब) दुर्गालाल।

2. प्रायोगिक में सीखे गये तालों में बोल परण लिपिबद्ध करना।

   ताल गजझम्पा

   ताल तीनताल ।

इकाई–5

कथक के विकास में राजदरबारों का योगदान।

(अ) लखनऊ, उ. नबाव वाजिद अलीशाह

(ब) रायगढ़ के प्रमुख नृत्यकर्मी का जीवन परिचय।

प. कार्तिक राम

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11
द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र
प्रायोगिक कथक नृत्य

पूर्णांक – 100

इकाई–1

ताल गजझम्पा में नृत्य ––

तत्कार, ठाठ, आमद 2–, तोड़ा–3, परण (तिस्त्र मिश्र जाति) कवित्त –2, तिहाई– 2, चक्करदार तोडा–1

इकाई–2

ताल तीन ताल में ––

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के साथ साथ निम्न विषयों का अध्ययन

फरमाईषी चक्करदार, नवहक्का ।

इकाई–3

(अ) गत निकास – मुरली घूँघट, रूखसार ।

(ब) गत भाव – गोवर्धन लीला

(स) ठुमरी अथवा भजन पर भाव प्रदर्शन ।

इकाई–4

प्रायोगिक रिकार्ड – 20 अंक

,,

बी. ए. प्रथम सत्र 2008–09
सैद्धान्तिक प्रथम प्रश्नपत्र प्रथम सेमेस्टर
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 35

आ0मू0 15

इकाई – 1

अ. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन ।
भूपाली,, यमन, भैरव, मालकौस ।

ब. – पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की विवेचनात्मक जानकारी ।
तीनताल, कहरवा, दादरा,

इकाई–2

अ. – भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का वर्णन ।

ब.– पाठ्यक्रम के रागों की मसीतखानी गत लिखना ।

इकाई–3

परिभाषाएं – नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, मींड, घसीट, कृन्तन, जमजमा, वर्ण, राग ।

इकाई–4

मसीतखनी गत, रजा़खानी गत, गजल, भजन ।

इकाई–5

निम्न संगीतज्ञों का जीवनी लिखियें :–
पं. विष्णु नारायण भातखंडे, इमदाद खां ।

(परियोजना)

1.	निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।	07
2.	पोस्टर चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।	08
	कुल अंक	15

बी. ए. प्रथम सत्र 2008–09

प्रायोगिक प्रथम सेमेस्टर

वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक : 80

आ0मू0 20

इकाई–1

प्रारंभिक 05 अलंकार अपने वाद्य पर ।

इकाई–2

पाठयक के रागों में आरोह, अवरोह, पकड, दो मसीदखानी तथा एक रजाखानी गत ।

तोडों (तानों) सहित ।

राग भूपाली, यमन, भैरव, मालकौस ।

इकाई–3

पाठयक्रम के तालों का अध्ययन तथा हाथ से ताली लगना ।

तीन ताल, दादरा, कहरवा ।

इकाई–4

प्रथम तीन अलंकार हारमोनियम पर ।

इकाई–5 प्रायोगिक रिकार्ड – 20 अंक

बी. ए. प्रथम सत्र 2008–09
द्वितीय सेमेस्टर
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 35

आ0मू0 15

इकाई – 1

(अ) पाठयक्रम में निर्धारित रागों, की विवेचानात्मक जानकारी ।

बिलावल, भीमपलासी,, काफी,,वृन्दावनीस ारंग

पाठ्यक्रम के तालों की गह, यमन, चौगुन :– एकताल, चौताल, झपताल ।

इकाई–2

(अ) पाठयक्रम के रागों की स्वरलिपि लिखना ।

(रजाखानी गत तथा तीन तानों सहित)

(ब) पाठयक्रम के तालों का विस्तृत वर्णन ।

इकाई–3

परिभाषाएं :– श्रृति, गमक, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, चाट, मूच्छना, खटका, तान ।

इकाई–4

निम्नलिखित गीत शैलीयों का वर्णन :–

चतुरंग, सरगम, ख्याल, लक्षणगीत ।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय एवं भारतीय संगीत में उनका योगदान :–

तानसेन, पं0 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर ।

(परियोजना)

1. निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण । 07
2. पोस्टर चार्ट अथवा माडल का निर्माण । 08

कुल अंक 15

बी. ए. प्रथम सत्र 2008–09
प्रायोगिक द्वितीय सेमेस्टर द्वितीय प्रश्नपत्र
वाद्य संगीत "सितार"

पूर्णांक – 80

आ0मू0 20

इकाई –1

दस थाटों में से किन्ही पांच थाटों में अलंकार अपने वाद्य पर बजाना

इकाई–2 पाठयक्रम के रागों में से एक रजाखानी तथा दो मसीतखानी गत, तानों सहित तथा एक राग में झाला वादन ।

इकाई–3

पाठयक्रम के तालों को हाथ पर ताली से दर्शाना । एकताल, चौताल, झपताल ।

इकाई–4

प्रथम पांच अलंकार हारमोनियम पर ।

पंचम –5 प्रायोगिक रिकार्ड कुल अंक 20

बी. ए. द्वितीय सत्र 2009–10

सैद्धान्तिक प्रथम प्रष्न पत्र तृतीय सेमेस्टर
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 35

आ0मू0 15

इकाई–1

(अ) पाठयक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक वर्णन :–

आसावरी,, जौनपुरी,, भैरवी,, देशकार ।

(ब) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन ।

रूपक, झूमरा तथा तिलवाडा ।

इकाई–2

पारिभाषिक 'शब्दों की जानकारी :–

वाग्येकार, ग्राम, अंश, न्यास, अपन्यास, अल्पत्व, बहुत्व, स्थाई, अन्तरा, संचारी, आभोग ।

इकाई–3

(अ) वादकों के गुण तथा अवगुण, आधुनिक आलाप गान, वर्ष तथा उसके प्रकारों का वर्णन

(ब) पाठयक्रम के रागों में से रजाखानी गत, बोल मात्रा तथा तानों सहित ।

इकाई–4

निम्नलिखित गीत प्रकारों का वर्णन–

लावनी, होरी, धुन कजरी चैती मांड गरबा धुन ।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय :–

अलाउद्दीन खां, भरत ।

(परियोजना)

1.	निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।	07
2.	पोस्टर चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।	08
	कुल अंक	15

बी. ए. द्वितीय सत्र 2009–10

द्वितीय प्रश्नपत्र तृतीय सेमेस्टर प्रायोगिक
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 100

इकाई–1

पाठयक्रम में निर्धारित रागों में से किन्ही दो रागों में मसीतखानी गत रजाखानी गत, तान, सहित, आसावरी,, जौनपुरी,, भैरवी,, देशकार ।

इकाई–2 पाठयक्रम में निर्धारित तालों की हाथ पर ठाह, दुगुन तथा चौगुन ।

रूपक, झूमरा , तिलवाडा ।

इकाई–3

पाठयक्रम में निर्धारित किन्ही दो रागों में

झाला वादन ।

इकाई–4

हारमोनियम पर राष्ट्रगीत (जन,गन, मन) वादन ।

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड कुल अंक 20

बी. ए. द्वितीय वर्ष 2009–10
सैद्धान्तिक प्रथम प्रशन चतुर्थ सेमेस्टर
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 35

आ0मू0 15

इकाई – 1

(अ) पाठयक्रम में निर्धारित निम्न रागों का विवेचनात्मक अध्ययन– ः

बिहाग, खमाज, बागेश्री, काफी ।

(ब) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन :– धमार, झूमरा, चौताल ।

इकाई–2 पाठ्यक्रम के रागों में रजाखानी गत, बोल मात्रा तानों सहित ।

धृवपद तथा उसकी वाणियों सहित वर्णन ।

इकाई–3 थाट पद्धति का सक्षिप्त वर्णन, ग्राम तथा उसके प्रकारों का वर्णन सप्तक तथा उसके प्रकारों का वर्णन । सप्तक तथा उसके प्रकारों का वर्णन ।

इकाई–4

निम्नलिखित गायन शैलियों का वर्णन :– धृवपद, धमार,ख्याल, तराना, टका, चतुरंग ।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी तथा भारतीय संगीत में उनके योगदान का महत्व स्पष्ट करें – पं0 रवीषंकर, पं0 शारंगदेव

(परियोजना)

1.	निर्दिष्ट आलेख रचना एवं उसका प्रस्तुतिकरण ।	07
2.	पोस्टर चार्ट अथवा माडल का निर्माण ।	08
	कुल अंक	15

बी. ए. द्वितीय सत्र 2009–10

द्वितीय प्रश्नपत्र चतुर्थ सेमेस्टर प्रायोगिक
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 100

इकाई–1

पाठयक्रम में निर्धारित रागों में से किन्ही दो रागों में मसीतखानी गत रजाखानी गत, तान, सहित, बिहाग, खमाज, बागेश्री, काफी ।

इकाई–2 (ब) निम्नलिखित तालों की हाथ पर दुगुन तथा चौगुन :– धमार, झूमरा, चौताल ।

इकाई–3 पाठयक्रम में से किन्ही दो रागों में झाला वादन । ।

इकाई–4

हारमोनियम पर राष्ट्रगीत ।

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड कुल अंक 20

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11
सैद्धान्तिक प्रथम प्रष्न पत्र पंचम सेमेस्टर
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 35

आ0मू0 15

इकाई – 1

(अ) पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक वर्णन :–
दरबारी, कान्हडा, मारवा, शुद्धकल्याण, पूरिया धनाश्री,

(ब) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तथा चौगुन :–
दीपचन्दी ,पंजाबी, आडाचौताल ।

इकाई–2 स्वरों में श्रुतियों को बांटने का आधुनिक तथा प्राचीन ग्रन्थकारों के सिद्धान्त का वर्णन, पं0 भातखण्डे का शुद्ध स्वर सिद्धान्त का वर्णन ।

इकाई–3

पारिभाषिक शब्दावलियों का वर्णन :– गीत, गांधर्व, गान, तिरवट, खमसा, दादरा, लावनी,, ध्व्वाली सरगम, लक्षणगीत ।

इकाई–4

(अ) पाठ्यक्रम के रागों की रजाखानी गत । मसीतखानी गत तानों सहित ।

(ब) तान तथा उसके प्रकारों का वर्णन ।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का विस्तृत जीवन परिचय ।
उ0 विलायत खां, पं0 श्रीनिवास

(परियोजना)

1. सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समीक्षात्मक प्रतिवेदन लेखन – 08
Report Writing

2. आकस्मिक कक्षा परिक्षण – 07
Semi Surprise Test

बी. ए. तृतीय सत्र 2010–11
द्वितीय प्रष्न पत्र(प्रायोगिक)
पंचम सेमेस्टर
वाद्य संगीत "सितार"

पूर्णांक – 80

आ0मू0 20

इकाई–1

पाठयक्रम में निम्नलिखित रागों मे से किन्ही दो रागों की मसीतखानी तथा रजाखानी गत तीनों सहित ।

दरबारी कान्हडा, पूरिया–धनाश्री शुद्धकल्याण, माखा ।

इकाई–2

निम्नलिखित तालोंकी हाथ पर ठाह दुगुन तथा चौगुन ।

दीपचन्दी, आडा चौताल पंजानी, ।

इकाई–3

उपरोक्त किन्ही दो रागों में झाला वादन ।

इकाई–4

हारमोनियम पर धुन "सारे जहां से अच्छा " बजाना ।

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड (आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक)

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11
सैद्धान्तिक प्रथम प्रष्न पत्र षष्ठम सेमेस्टर
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 35

आ0मू0 15

इकाई – 1

(अ) पाठयक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक विवरण कीजिये ।
दुर्गा, वसंत, मियामल्हार, तोडी ।

(ब) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तथा चौगुन के साथ लिखना :–
झूमरा, एकताल, आडाचौताल ।

इकाई–2

एक मेलकर्ता से 484 (चार सौ चौरासी) रागों की उत्पति का सिद्धान्त, संगीत के सौन्दर्य का वर्णन ।

इकाई–3

(अ) गमक, थाट वर्णन, राग के दस लक्षण ।

(ब) पाठयक्रम के रागों में से मसीतखानी/रजाखानी गत तानों सहित ।

इकाई–4

राग समय सिद्धान्त, राग में वादी स्वर का महत्व लिखिये ।

इकाई –5

निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी ।
उ0 मुशताक अली खॉ, स्वामी हरिदास ।

(परियोजना)

1. सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समीक्षात्मक प्रतिवेदन लेखन – 08
Report Writing

2. आकस्मिक कक्षा परिक्षण – 07
Semi Surprise Test

कुल अंक 15

बी. ए. तृतीय वर्ष 2010–11
प्रायोगिक द्वितीय प्रष्न पत्र षष्ठम सेमेस्टर
वाद्य संगीत सितार

पूर्णांक – 80

आ0मू0 20

इकाई – 1

पाठयक्रम में से किन्ही दो रागों की मसीतखानी तथा रजाखानी गत तानों सहित ।
राग दुर्गा, वसंत, मियामल्हार, तोडी ।

इकाई–2

निम्नलिखित तालों की हाथ पर ठाह, दुगुन, तथा चौगुन
झूमरा, एकताल, आडाचौताल ।

इकाई–3

उपरोक्त किन्ही दो रागों में झाला वादन ।

इकाई–4

हारमोनियम पर धुन ।

इकाई–5

प्रायोगिक रिकार्ड (आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक)

****

<u>परिशिष्ट–2</u>

एम.ए. संगीत
दो वर्षीय चार सेमेस्टर
सत्र 2008–2009

प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होगें । दो सैद्धान्तिक दो प्रायोगिक होगें । जिसकी अंक समीक्षा सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक 80–20 के होगें एवं 80 अंक बाहय मूल्यांकन एवं 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन होगा ।

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रथम सेमेस्टर
101	संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त
102	भारतीय संगीत का इतिहास
103	राग गायन (प्रायोगिक)
104	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	द्वितीय सेमेस्टर
201	संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त
202	भारतीय संगीत का इतिहास
203	राग गायन (प्रायोगिक)
204	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	तृतीय सेमेस्टर
301	व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र
302	ध्वनि शास्त्र तथा रचना एवं निबंध
303	राग गायन (प्रायोगिक)
304	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

प्रश्नपत्र क्रमांक	तृतीय सेमेस्टर
401	व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र
402	ध्वनि शास्त्र तथा रचना एवं निबंध
403	राग गायन (प्रायोगिक)
404	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

एम.ए. पूर्वार्द्ध (कंठ/वादन)
प्रथम सेमेस्टर सत्र 2008–2009
प्रथम प्रष्न पत्र सैद्धान्तिक
101 संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त

पूर्णांक – 80

इकाई –1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

श्याम कल्याण, अहीर भैरव, शुद्ध सारंग, मदमाद सारंग, बैरागी भैरव, मेध मल्हार ।

इकाई–2

अ– निम्नलिखित तालोंके ठेके ठाह आड, कुआड, विबाड लय में लिखना

एकताल, त्रिताल, आड, चौताल ।

ब– प्रायोगिक पाठयक्रम के रागों में विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि

लेखन का अभ्यास –आलाप एवं तानों/तोडों सहित

इकाई–3

हारमनी –मैलॉडी का अध्ययन।

भारतीय संगीत के सप्तक का विकास ।

इकाई–4

राग वर्गीकरण – दषविधि राग वर्गीकरण।

राग – रागिनी वर्गीकरण ।

इकाई–5

रस की परिभाषाएं, रस प्रकार , स्वर एवं रस का पारस्परिक संबंध ।

एम.ए. पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर
सत्र 2008–09
तृतीय प्रश्नपत्र प्रायोगिक
103 राग गायन

पूर्णांक 100

इकाई –1

विस्तृत अध्ययन के राग :–

– श्याम कल्याण

– शुद्ध सारंग

– अहीर भैरव

– रागेश्री

– बागेश्री

– गुर्जरी तोडी

इकाई–2

सामान्य अध्ययन के राग :–

– दुर्गा

– मारवा

– सोहनी

– मधमाद सारंग

– मेघ मल्हार

– बैरागी भैरव

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो रागों में विलम्बित रचनाएं एवं चार द्रुत रचनाएं ।

सामान्य अध्ययन के रागों में चार द्रुत रचनाएं ।

एम.ए. पूर्वार्द्ध सत्र 2008–2009
प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रष्न पत्र सैद्धान्तिक
102 भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक – 80

इकाई–1

संगीत की उद्‌गत–भारतीय एवं पाष्चात्य मतानुसार ।

इकाई –2

भारतीय संगीत का इतिहास – वैदिक कालीन संगीत, सामवेद में संगीत ।

इकाई–3

पौराणिक एवं महाकाव्य कालीन संगीत, रामायण, महाभारत कालीन संगीत ।

इकाई–4

जैन एवं बौद्ध कालीन संगीत, मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत ।

इकाई–5

निम्न लिखित ग्रन्थकारों का उनके ग्रन्थों सहित विषेष अध्ययन – लोचन, अहोबल, श्रीनिवास ।

एम.ए. पूर्वार्द्ध सत्र 2008–2009
प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र प्रायोगिक
104 मंच–प्रदर्शन

पूर्णांक – 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न– पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, दो तरानें एवं एक ठुमरी अथवा दादरा – लयकारियो ंएवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन ।

बिहाग, बागेश्री, मालकोंस, कामोद, केदार, खमाज, पीलू, काफी ।

एम.ए. पूर्वार्द्ध सत्र 2008–2009
प्रथम प्रष्नपत्र सैद्धान्तिक
201 संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त

पूर्णांक 80

इकाई–1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, मारू बिहाग, सूरमलहार, नायकी कान्हडा, झिंझोटी ।

इकाई–2

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह के साथ आड, कुआड, बिआड में लिखना ।

चौताल, तिलवाडा, दीपचन्दी ।

ब– पाठयक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास । आलाप, तान – तोडों सहित ।

इकाई–3

निम्नांकित का अध्ययन –

मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक ।

इकाई–4

राग वर्गीकरण–थाट राग, राग– रागांग वर्गीकरण

इकाई–5

गायन हेतु :– दिये गये पदों को उचित राग एवं ताल में निबद्ध करना ।

वादन हेतु :– मिजराब के बोलों पर पाठयक्रम में निर्धारित रागों में रचना करना ।

एम0ए0 पूर्वाद्ध सत्र 2008–09

द्वितीय सेमेस्टर प्रायोगिक तृतीय प्रश्नपत्र
203 राग गायन

पूर्णांक – 100

इकाई–1

विस्तृत अध्ययन के राग

- देवगिरी बिलावल
- यमनी बिलावल
- मारू बिहाग
- नायकी कान्हडा
- सूर मल्हार
- झिंझोटी

इकाई–2

सामान्य अध्ययन के राग :–

- सूहा
- सुधराई
- सहाना
- देस
- सरस्वती
- कलावती

विस्तृत अध्ययन के रागों में से दो राग में विलम्बित रचनाएं एवं चार रागों में द्रुत रचनाएं एवं सामान्य अध्ययन के रागों में चार द्रुत रचनाएं ।

एम.ए. पूर्वार्द्ध सत्र 2008–2009

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक
202 भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक – 80

इकाई–1

भरत एवं शारंगदेव कालीन संगीत – स्वर, श्रुति सारणा ।

इकाई–2

खण्डमेरू, स्वर प्रस्तार, नश्टोदिष्ट प्रकरण ।

इकाई–3

संगीत का मध्ययुग – मानसिंह तोमर एवं तानसेन कालीन संगीत ।

इकाई–4

निम्नलिखित ग्रंथकारों का उनके ग्रंथों के सहित विशेष अध्ययन ।

व्यंकटमखी, भातखण्डे, पलुस्कर ।

इकाई–5

संगीत के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी एवं निम्न घरानों का विशेष अध्ययन– ग्वालियर, किराना, जयपुर, आगरा, सोनिया, इमदाद खॉ घराना ।

द्वितीय सेमेस्टर प्रायोगिक
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
204 मंच–प्रदर्शन

पूर्णांक – 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न– पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, दो तरानें एवं एक ठुमरी अथवा दादरा – अथवा टप्पा –उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हडा, मुल्तानी, पहाडी, शिवरंजनी, अडाना, भैरवी ।

एम.ए.संगीत तृतीय सेमेस्टर
सत्र 2009—2010
प्रथम प्रष्नपत्र सैद्धान्तिक(कंठ / वादन)
301 व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

पूर्णांक 80

इकाई—1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन
आभोगी कान्हडा, कौसी कान्हडा, बिलासखानी तोडी, भूपाल तोडी, देसी, गौरखकल्याण ।

इकाई—2

अ— निम्नलिखित तालों के ठेके— ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना ।
चौताल, रूद्र, पंचम सवारी ।

ब— प्रायोगिक पाठयक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों / तोडों सहित ।

इकाई—3

नोटेशन पद्धतियों का विकास एवं उसका विस्तृत अध्ययन ।

इकाई—4

प्राचीन एवं मध्यकालीन निबद्ध गान का अध्ययन ।

इकाई—5

हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धान्त ।

एम.ए. उत्तरार्द्ध संगीत सत्र 2009–2010
तृतीय सेमेस्टर (कंठ/वादन)
तृतीय प्रश्नपत्र प्रायोगिक
303 राग गायन

पूर्णांक 100

इकाई–1

विस्तृत अध्ययन के राग

- आभोगी कान्हडा
- कौंसी कान्हडा
- बिलासखानी तोडी
- जोगिया
- देसी
- गोरखकल्याण

इकाई–2

सामान्य अध्ययन के राग

- हंसध्वनि
- जोग
- वसंतमुखारी
- हिंडोल
- भूपाल तोडी
- कोमलरिषभ आसावरी

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलम्बित रचनाएं एवं 4 द्रुत रचनाएं ।

सामान्य अध्ययन के रागों में 4 द्रुत रचनाएं ।

एम.ए.उत्तरार्द्ध सत्र 2009–2010
तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)
302 ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

पूर्णांक – 80

इकाई–1

ध्वनि – अर्थ एवं उत्पत्ति। कंठ स्वर संस्थान की जानकारी ।

इकाई–2

भारतीय वाद्यों का अर्थ, विकास एवं निम्न वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी –मतकोकिला, एकतंत्री,त्रितंत्री,किन्नरी वीणाएं, सितार पखावज एवं तबला

इकाई–3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के स्वर, राग एवं गीत प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन ।

इकाई–4

गीत रचना के सिद्धांत एवं दिए गये पदों एवं बोलों की उपर्युक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना ।

इकाई–5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन ।

लोकसंगीत, भारतीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य बृंद ।

एम.ए. उत्तरार्द्ध सत्र 2009–2010
तृतीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र प्रायोगिक (कंठ/वादन)
304 मंच–प्रदर्शन

पूर्णांक – 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न– पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, दो तरानें एवं एक ठुमरी अथवा दादरा – अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन
भूपाल, मियॉमल्हार, पूरियाधनाश्री, वृदावनी सारंग, देस, तिलंग, पीलू, काफी

एम.ए.उत्तरार्द्ध सत्र 2009–2010
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रष्न–पत्र सैद्धान्तिक(कंठ/वादन)
401 व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

पूर्णांक 80

इकाई–1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन
विभास, मधुवंती, पूरियाकल्याण, चन्द्रकौंस, भटियार, जोगकौंस ।

इकाई–2

अ– निम्नलिखित तालों के ठेके– ठाह, आड, कुआड, बिआड लय में लिखना ।

लक्ष्मी, ब्रम्ह, शिखर ।

ब– प्रायोगिक पाठयक्रम के रागों की विलम्बित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास आलाप एवं तानों/तोडों सहित ।

इकाई–3

प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित ताल ।

इकाई–4

निम्नलिखित विषयों पर निबंध (600 शब्द)
रस संगीत पाश्चात्य संगीत, सुगम संगीत

इकाई–5

दिये गये पद को उचित ताल एवं राग में निबद्ध करना ।

एम0ए0 उत्तरार्द्ध चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र 2009–2010
तृतीय प्रश्नपत्र प्रायोगिक (कंठ/वादन)
403 राग गायन

पूर्णांक 100

इकाई–1

विस्तृत अध्ययन के राग

- विभास
- मधुवंती
- पूरिया कल्याण
- चन्द्रकौंस
- भटियार
- जोगकौंस

इकाई–2

सामान्य अध्ययन के राग

- पूरिया
- धनाश्री
- नटभैरव
- श्री
- मियां की सारंग
- रामरासी मल्हार

उपरोक्त विस्तृत अध्ययन के रागों में से 2 रागों में विलम्बित रचनाएं एवं 4 द्रुत रचनाएं ।

सामान्य अध्ययन के रागों में 4 द्रुत रचनाएं ।

एम.ए. संगीत चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र 2009–2010
द्वितीय प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक (कंठ/वादन)
402 ध्वनि शास्त्र एवं रचना तथा निबंध

पूर्णांक – 80

इकाई–1

नाद, सहायक नाद, स्वयंभूनाद कर्ण की बनावट एवं श्रवण सिद्धान्त ।

इकाई–2

भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण ।

इकाई–3

हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत पद्धतियों के तालों का तुलनात्मक अध्ययन ।

इकाई–4

गीत रचना के सिद्धांत एवं दिए गये पदों एवं बोलों की उपर्युक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना ।

वादन हेतु दिये गये बोलों के आधार पर गत रचना ।

इकाई–5

संगीत से सम्बन्धित निम्न विषयों में से एक विषय पर लगभग 400 शब्दों का निबंध लेखन ।

लोक संगीत, भारतीय संगीत का भविष्य तथा लोकप्रियता, वाद्य बृंद ।

एम.ए. संगीत चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र 2009–2010
चतुर्थ प्रश्न–पत्र प्रायोगिक (कंठ/वादन)
404 मंच–प्रदर्शन

पूर्णांक – 100

अ. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न पत्र हेतु निर्धारित विस्तृत अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में विलम्बित एवं द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

ब. प्रायोगिक प्रथम प्रष्न– पत्र हेतु निर्धारित सामान्य अध्ययन के रागों में से परीक्षक द्वारा चयनित किसी एक राग में द्रुत रचना प्रस्तुत करनी होगी ।

स. निम्नलिखित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, दो तरानें एवं एक ठुमरी अथवा दादरा – अथवा लयकारियों एवं उपज के साथ एवं वादन हेतु त्रिताल के अतिरिक्त अन्य ताल में कोई भी दो रचनाएं एवं एक धुन

भूपाल, मियॅामल्हार, पूरियाधनाश्री, वृंदावनी सारंग, देस, तिलंग, पीलू, काफी